

# 桐柏仙域志

赵子廉 著



中央编译出版社  
Central Compilation & Translation Press

## 【作者简介】

---

赵子廉，浙江省社会科学院研究员。曾参与《汉语大词典》的编撰，编著有《天台志》、《桐柏春秋》。

# 桐柏仙域志

赵子廉 著

本书顾问 张高澄



中央编译出版社

Central Compilation & Translation Press

# 目 录

|                    |    |
|--------------------|----|
| 一、引言 .....         | 1  |
| 二、人物传略 .....       | 2  |
| (一) 神话传说时期 .....   | 2  |
| 黄帝 .....           | 2  |
| 王子晋 .....          | 3  |
| (二) 草创与发展时期 .....  | 5  |
| 本时期有史为据的主要高道 ..... | 6  |
| 葛玄 .....           | 6  |
| 郑隐 .....           | 11 |
| 刘翊 .....           | 11 |
| 魏夫人 .....          | 11 |
| 班孟 .....           | 12 |
| 葛洪 .....           | 12 |
| 许迈 .....           | 13 |
| 许逊 .....           | 14 |
| 沈约 .....           | 14 |
| 陶弘景 .....          | 16 |

|                    |    |
|--------------------|----|
| 本时期有史为据的莅山名士 ..... | 17 |
| 孙绰 .....           | 17 |
| 王羲之 .....          | 19 |
| 支遁 .....           | 20 |
| 谢灵运 .....          | 20 |
| (三) 鼎盛时期 .....     | 21 |
| 本时期有史为据的主要道士 ..... | 23 |
| 徐则 .....           | 23 |
| 王远知 .....          | 24 |
| 叶法善 .....          | 25 |
| 司马承祯 .....         | 26 |
| 贺知章 .....          | 34 |
| 吴筠 .....           | 34 |
| 谢自然 .....          | 35 |
| 田虚应 .....          | 36 |
| 冯惟良 .....          | 36 |
| 徐灵府 .....          | 36 |
| 陈寡言 .....          | 37 |
| 夏侯隐 .....          | 38 |
| 应夷节 .....          | 38 |
| 叶藏质 .....          | 39 |
| 王可交 .....          | 40 |
| 刘处静 .....          | 40 |
| 王文果 .....          | 41 |
| 刘方瀛 .....          | 41 |
| 杜光庭 .....          | 41 |
| 左元泽 .....          | 42 |

---

|              |    |
|--------------|----|
| 闾丘方远         | 43 |
| 柳泌           | 43 |
| 吕洞宾          | 45 |
| 厉归真          | 47 |
| 朱霄外          | 47 |
| 王松年          | 48 |
| 许碏           | 48 |
| 本时期留下诗文的莅山名士 | 49 |
| 李峤           | 49 |
| 宋之问          | 49 |
| 沈佺期          | 50 |
| 孟浩然          | 51 |
| 李白           | 55 |
| 贾长源          | 58 |
| 钱起           | 58 |
| 杨衡           | 59 |
| 章八元          | 60 |
| 顾况           | 60 |
| 释灵一          | 60 |
| 刘禹锡          | 61 |
| 元稹           | 62 |
| 李绅           | 62 |
| 张佑           | 63 |
| 白居易          | 65 |
| 施肩吾          | 66 |
| 许浑           | 66 |
| 释皎然          | 67 |

|              |    |
|--------------|----|
| 郑薰           | 67 |
| 任蕃           | 68 |
| 皮日休          | 68 |
| 陆龟蒙          | 69 |
| 崔道融          | 70 |
| 姚鹄           | 71 |
| 高骈           | 71 |
| 释贯休          | 71 |
| 郑巢           | 72 |
| 刘昭禹          | 72 |
| 曹松           | 73 |
| 卢士衡          | 74 |
| 方干           | 74 |
| 周朴           | 75 |
| (四) 再度繁荣时期   | 76 |
| 本时期有史可据的主要道士 | 78 |
| 张无梦          | 78 |
| 孟玄岳          | 80 |
| 张契真          | 80 |
| 陈景元          | 81 |
| 毛洞元          | 81 |
| 张伯端          | 82 |
| 附：石泰         | 92 |
| 附：薛道光        | 92 |
| 杨和           | 92 |
| 皇甫坦          | 92 |
| 王存中          | 93 |

---

|              |     |
|--------------|-----|
| 祝通元          | 93  |
| 石庆端          | 93  |
| 彭文昌          | 93  |
| 厉永年          | 93  |
| 石葆璋          | 93  |
| 唐知章          | 93  |
| 陈楠           | 94  |
| 白玉蟾          | 94  |
| 张云友          | 98  |
| 王茂端          | 98  |
| 王契真          | 99  |
| 徐自明          | 99  |
| 邝守宁          | 99  |
| 桐柏观提举        | 100 |
| 曾几           | 100 |
| 曹勋           | 101 |
| 陆游           | 104 |
| 朱熹           | 106 |
| 赵师渊          | 107 |
| 本时期留下诗文的莅山名士 | 108 |
| 李昉           | 108 |
| 孙何           | 108 |
| 夏竦           | 109 |
| 苏轼           | 111 |
| 章得象          | 111 |
| 李建中          | 112 |
| 释遵式          | 113 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 元积中          | 113 |
| 赵抃           | 113 |
| 元居中          | 114 |
| 葛闳           | 114 |
| 罗适           | 115 |
| 王范           | 115 |
| 余爽           | 116 |
| 李孟           | 117 |
| 洪适           | 118 |
| 杨偰           | 119 |
| 唐仲友          | 119 |
| 刘旦           | 121 |
| 高似孙          | 121 |
| 长吉           | 123 |
| 顾硕           | 123 |
| 赵师秀          | 123 |
| 王文简          | 124 |
| 袁甫           | 124 |
| 胡融           | 125 |
| 释允袭          | 126 |
| (五) 走向衰落时期   | 127 |
| 本时期有史为据的主要道士 | 128 |
| 王中立          | 128 |
| 周正中          | 129 |
| 祝通玄          | 129 |
| 张惟一          | 129 |
| 张雨           | 129 |

---

|              |     |
|--------------|-----|
| 张彦辅          | 130 |
| 张元中          | 130 |
| 曹法师          | 130 |
| 卢益修          | 130 |
| 本时期留下诗文的莅山名士 | 130 |
| 陈孚           | 130 |
| 孔天彻          | 130 |
| 张铁           | 131 |
| 袁桷           | 131 |
| 赵凤仪          | 133 |
| 贡师泰          | 134 |
| 张可久          | 134 |
| 曹文晦          | 135 |
| 别罗沙          | 135 |
| 杨维桢          | 136 |
| (六) 艰难竭蹶时期   | 138 |
| 本时期有史为据的主要道士 | 139 |
| 金静观          | 139 |
| 鲍了静          | 139 |
| 张无我          | 140 |
| 沈顿空          | 140 |
| 赵复阳          | 140 |
| 吴彦钦          | 140 |
| 黄虚堂          | 141 |
| 伍冲虚          | 141 |
| 本时期留下诗文的莅山名士 | 141 |
| 刘基           | 141 |

---

|     |     |
|-----|-----|
| 王冕  | 142 |
| 丁鹤年 | 143 |
| 丁彦俊 | 143 |
| 徐一夔 | 144 |
| 吴昊  | 145 |
| 叶登  | 146 |
| 揭轨  | 147 |
| 范理  | 147 |
| 释宗泐 | 147 |
| 王明汲 | 148 |
| 王廷表 | 148 |
| 潘渊  | 149 |
| 陈缓  | 149 |
| 贾诗  | 150 |
| 陈临民 | 150 |
| 蔡宗尧 | 150 |
| 方暉  | 151 |
| 程资  | 151 |
| 高天逸 | 151 |
| 王士性 | 152 |
| 释传灯 | 153 |
| 陶望龄 | 154 |
| 陈函辉 | 154 |
| 戴澳  | 155 |
| 王思任 | 156 |
| 李天秩 | 159 |
| 颜允珏 | 159 |

---

|              |     |
|--------------|-----|
| 张廷臣          | 161 |
| 戴唐献          | 162 |
| 叶臣遇          | 162 |
| 盛仲龙          | 162 |
| 释小白          | 163 |
| 徐宏祖          | 163 |
| 魏耕           | 164 |
| 薛应旗          | 165 |
| 张文郁          | 166 |
| 叶良佩          | 166 |
| (七) 昙花一现时期   | 168 |
| 本时期有史为据的主要道士 | 169 |
| 褚九如          | 169 |
| 孙守一          | 169 |
| 童清和          | 169 |
| 范青云          | 170 |
| 高东篱          | 172 |
| 沈轻云          | 173 |
| 闵懒云          | 173 |
| 方一定          | 174 |
| 叶明仓          | 174 |
| 本时期留下诗文的莅山名士 | 175 |
| 张玄俊          | 175 |
| 张元声          | 175 |
| 蒋薰           | 176 |
| 洪若皋          | 177 |
| 冯苏           | 177 |

---

|     |     |
|-----|-----|
| 叶书  | 181 |
| 陈王謨 | 182 |
| 卢天骥 | 182 |
| 许岳英 | 183 |
| 汪汎  | 183 |
| 仇兆鳌 | 187 |
| 张联元 | 187 |
| 王焘  | 190 |
| 许君征 | 190 |
| 梁文煊 | 191 |
| 胡云客 | 192 |
| 潘耒  | 192 |
| 张鑄  | 195 |
| 法海  | 196 |
| 陈溥  | 196 |
| 王平  | 196 |
| 陈沆  | 197 |
| 陈象臞 | 197 |
| 齐周华 | 198 |
| 齐召南 | 200 |
| 齐世觉 | 204 |
| 胡作肅 | 204 |
| 魏源  | 205 |
| 阮元  | 205 |
| 洪亮吉 | 207 |

---

|                        |            |
|------------------------|------------|
| (八) 由奄奄一息到枯木逢春时期 ..... | 208        |
| 本时期的主要道士 .....         | 208        |
| 林至霞 .....              | 208        |
| 袁理静 .....              | 209        |
| 叶宗滨 .....              | 209        |
| 伍中堂 .....              | 210        |
| 闻理朴 .....              | 210        |
| 伍诚鼎 .....              | 211        |
| 李信辉 .....              | 211        |
| 谢希纯 .....              | 212        |
| 叶秋梅 .....              | 213        |
| 葛怀英 .....              | 215        |
| 梁炳贤 .....              | 215        |
| 本时期莅山名士 .....          | 216        |
| 康有为 .....              | 216        |
| 郁达夫 .....              | 216        |
| 千人俊 .....              | 219        |
| 潘天寿 .....              | 221        |
| <br>                   |            |
| <b>三、桐柏的宫观庵院 .....</b> | <b>222</b> |
| (一) 桐柏观 .....          | 222        |
| (二) 法轮院 .....          | 232        |
| (三) 鸣鹤观 .....          | 233        |
| (四) 福圣观 .....          | 236        |
| (五) 丹霞洞 .....          | 238        |
| (六) 瀑布寺 .....          | 239        |
| (七) 洞天宫 .....          | 239        |

---

|                    |     |
|--------------------|-----|
| (八) 玄明宫 .....      | 240 |
| (九) 道元院(后) .....   | 241 |
| (十) 紫霄山居 .....     | 242 |
| (十一) 栖瑶隐居 .....    | 242 |
| (十二) 道元院(前) .....  | 243 |
| (十三) 纯素宫 .....     | 243 |
| (十四) 香琳峰石室 .....   | 244 |
| (十五) 法莲院 .....     | 244 |
| (十六) 善利广济真人祠 ..... | 245 |
| (十七) 圣寿院 .....     | 246 |
| (十八) 琼台观 .....     | 247 |
| (十九) 桐柏仙踪坊 .....   | 248 |
| (二十) 善利亭 .....     | 248 |
| (二十一) 清圣祠 .....    | 248 |
| (二二) 仁靖宫 .....     | 252 |
| (二三) 卧云庵 .....     | 252 |
| 代后记 .....          | 253 |

# 一、引言

南朝·陈·顾野王《舆地志》载：“天台山一名桐柏，众岳之最秀者也。”唐·崔尚《桐柏观碑记》称：“天台也，桐柏也，释谓之天台，真谓之桐柏，此两者同体而异名。”足见早时“桐柏”这一概念等同于“天台山”或“天台”。然本书所指的“桐柏”，却是狭义的“桐柏”，限于余爽所描写的“九峰回合抱琼田”的道场灵境。

本书主要介绍桐柏崇道观，兼及仙坛院、法轮院、福圣观、洞天宫等的沧桑兴衰。

桐柏是一处丛山耸翠、碧水晶莹的神仙洞府，也是《云笈七签》里所说的72福地之一的灵墟。陶弘景《真诰》誉之为“三灾不至，洪波不登，实不死之福乡，养生之灵境”。

桐柏是道教南宗祖庭，对发展源远流长的道教理论和强身益寿的丹功学说都有过很大的贡献。

桐柏灵境的开发与成熟历史，明·王思任在他的《游天台山记》里说是“肇于周，灵于晋，盛于唐，扩于梁、宋”。但从天台的地方史志资料分析，却是草创于三国，兴盛于唐代，繁荣于北宋，再兴于清初。不过，根据神话传说，早在公元前26世纪以前这里已经是仙家的金庭洞天，且已扬名四海了。

## 二、人物传略

### (一) 神话传说时期

——黄帝至周、秦各代

桐柏仙山早在五帝（黄帝、颛顼、帝喾、尧、舜）时期，已是“神仙”修炼与栖息的地方。不过《道藏》所录这些史事，人物神化，情节虚诞，只能说是神话传说而已。

**黄 帝** 中国道教之发展过程源远流长，它的学术思想萌芽于黄帝之时。通常所说道家或道教那种清静无为的治世方法或炼丹妙诀为“黄老之术”的“黄老”，指的就是黄帝与老子。《史记·五帝本纪》：“黄帝者，少典之子，姓公孙，名轩辕……有土德之瑞，故号黄帝。”

《庄子·在宥》谓，黄帝曾问道于当时已千岁以上的广成子。广成子指点：“无视无听，抱神以静，形将自正。必静必清，无劳女（汝）形，无摇女（汝）精，乃可以长生。目无所见，耳无所闻，心无所知，女神将守形，形乃长生。”《庄子·知北游》记黄帝